D-6506

PAPER—III

Time: 2½ hours] PERFORMING ARTS [Maximum Marks: 200]

Number of Pages in this Booklet: 32 Number of Questions in this Booklet: 26

Instructions for the Candidates

- 1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- 2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

- 3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below:
 - (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.
- 4. Read instructions given inside carefully.
- 5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- 6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- 7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- 8. Use only Blue/Black Ball point pen.
- 9. Use of any calculator or log table etc. is prohibited.
- 10. There is NO negative marking.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- 1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नज़्बर लिखिए।
- 2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उज्ञर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिज़्त स्थान पर ही लिखिये।

इसके लिए कोई अतिरिज्त कागज का उपयोग नहीं करना है।

- 3. परीक्षा प्रारक्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निज्निलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है:
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संज्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
- 4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पहें।
- उज़र-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
- 6. यदि आप उज्ञर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
- 7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उज्ञर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
- 8. केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
- 10. गलत उज़र के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

PERFORMING ARTS

DANCE/DRAMA/THEATRE

अभिनय कला

नृत्य / नाटक ⁄ रंगमंच

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

Note:

This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. The candidates are required to choose their specialisation i.e. Dance or Drama and Answer all Questions from that Specialization only.

नोट :

समस्त अनुभाग अनिवार्य है। विद्यार्थी प्रश्नपत्र III से वर्ग 'ए' अथवा वर्ग 'बी' में से किसी वर्ग को चुनें तथा उस वर्ग के समस्त प्रश्नों के उज़र दें-प्रत्येक अनुभाग से भी प्रश्नों को चुनें। इस प्रश्नपत्र में चार (4) खंड दो सौ (200) अंको के हैं। अज़्यर्थियों को इन खंडो में समाहित प्रश्नों का उज़र उनमें दिये गये अलग विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

D—6506 2

SECTION - I

खण्ड—ा

Note: This section contains five (5) questions based on the following

paragraph. Each question should be answered in about thirty (30)

words and carries five (5) marks.

 $(5 \times 5 = 25 \text{ Marks})$

नोट: इस खंड में निज़्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उज़र लगभग तीस (30) शज़्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5 x 5 = 25 कुल अंक)

DANCE / नृत्य Group - A / समूह - A

सौंदर्य की खोज में जब जिज्ञासु की प्रकृति की आत्मा से एकतानता हो जाती है, तो उसे सर्वत्र सौंदर्य दिखलाई देने लगता हैं और जीवन विशुद्ध उल्लास हो उठता है। प्रकृति तथा चैतन्य के बीच जो पर्दा है वह असंवेदनशील व्यज्त्तियों के लिए घना और धुंधला हो जाता है। यही पर्दा किसी किव, रहस्यवादी एवं कलाकार के लिए पारदर्शी हो जाता है। भावात्मक संवेग द्वारा संचार के माध्यम का विकास होता है जो परमानन्द की अनुभूति करवाता है जिसे भाषा में व्यज्त नहीं किया जा सकता। उसी तरह जैसे गूंगा गुड़ का स्वाद नहीं बता सकता। प्रेम सीमातीत प्रवाहित होता है और यह दृष्टि में चमक पैदा करता है और आँखें सर्वत्र सौंदर्य का दर्शन करने लगती हैं। सत्यम्, शिवम् और सुन्दरम् उस परम सज्ञा के तीन लक्षण हैं। विज्ञान सत्य की खोज करता है, धर्म शिवम् की और कला सौंदर्य की तलाश करती है। विज्ञान प्रकृति से सत्य को निकालने का प्रयास करता है और कला प्रकृति से सौंदर्य को। 'शिवम्' स्वयं में सौंदर्य का एक भेद है जो सद् क्रियाओं और सदाचार के सुमेल से पैदा होता है। लय, समरसता और सन्तुलन केवल संगीत, चित्रकला, स्थापत्य कला और बागबानी के ही मूल सिद्धान्त नहीं हैं, अपितु धर्म के भी मूल सिद्धान्त हैं। धर्म भीतरी जीवन की कला है।

DRAMA - THEATRE / नाटक - रंगमंच Group - B / समूह - B

Thus, the new theatre which began in our country in the middle of the 19th century was, if not a total imposition, almost entirely an imitation of the western theatre. Its patrons and practitioners were those aristocratic Indians who had enthusiastically accepted not only the political domination of the Englishmen, but also their social and cultural domination, and who with their newly acquired English education took a kind of pride in behaving like the rulers. As a result, they started staging, initially, some English plays in English and then their translations and adaptations into their own languages, culminating finally, in plays based on Indian themes written and staged in imitation of the western plays.

In this context, it is also important to note that this theatre started, continued and was accepted only by the newly educated Indians in the cities. In some regions, productions of the newly formed travelling professional theatre companies did occasionally reach a few small towns and were also appreciated there. But the new theatre did not make any contact with the country-side where in different regions the traditional theatre continued to be active and popular.

Moreover, this new theatre began and developed primarily in those cities or settlements, which were founded by the English merchants and the British rulers, or where their commercial, industrial or administrative centres were located. That is the reason why this theatre got so much more patronage and encouragement in new cities like Calcutta, Bombay, and to some extent in Madras, than in other regions. With the spread and consolidation of the British rule, this theatre reached almost all parts of the country, but it did not start in all regions at the same time, nor did it grow everywhere to the same extent. As a result, its achievements, whatever they are, have different levels in different languages and regions of the country. In Bengali and Marathi, it became most active, prosperous and popular, though the beginning and the subsequent development of the theatres of even these two languages have been considerably different.

अतः नव-थिएटर जो हमारे देश में उन्नीसवीं शती के मध्य में प्रारज्ञभ हुआ था यदि पूर्णतया नहीं तो लगभग पूरी तरह पश्चिमी थिएटर का नकल था। इस के संरक्षक एवं व्यवसायी वे धनी भारतीय थे जिन्होंने न केवल सोत्साह अंग्रेजों की राजनीतिक गुलामी स्वीकार की बल्कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक गुलामी को भी स्वीकार किया। उन्होंने अपनी नई नई अंग्रेजी शिक्षा की प्राप्ति के कारण राजाओं की तरह व्यवहार करने में एक प्रकार का अभिमान अनुभव करने लगे। फलतः उन्होंने शुरु शुरु में कुछ अंग्रेजी नाटकों को अंग्रेजी में ही मंचित करना प्रारज्ञ्भ किया और फिर वे इन नाटकों को अपनी अपनी भाषाओं में अनुवाद अथवा रूपान्तरण करके मंचित करने लगे। इसकी इतिश्री उन नाटकों के साथ हुई जिन्हें पाश्चात्य नाटकों की नकल पर लिखा गया तथा मंचित किया जाता था। ऐसे नाटकों की विषय वस्त भारतीय ही थी।

D-6506 4

इस संदर्भ में, यह जान लेना भी आवश्यक है कि यह थिएटर केवल शहरों में ही शुरु हुआ और वहां ही चलता रहा और वहाँ के नए पढ़े-लिखे भारतीय ही इन्हें पसन्द करते रहे। कुछ इलाकों में कुछ नविनिर्मित व्यावसायिक थिएटर कज्पिनयां अपने नाटकों को लेकर कुछ छोटे कस्बों तक पहुंची जरुर थी और वहां उनकी प्रशंसा भी हुई। मगर नए-थिएटर ने गाँवों तक पहुंचने का प्रयास नहीं किया और इन भिन्न इलाकों में पारज्परिक थिएटर ही सिक्रय एवं लोकप्रिय रहा।

और तो और, यह नव-थिएटर मुज़्यत: उन नगरों अथवा बस्तियों में प्रारज़्भ एवं विकसित हुआ जिनकी बुनियाद अंग्रेजी व्यापारीयों अथवा अंग्रेज हािकमों ने रखी थी अथवा जहां अंग्रेजों के व्यापारीक औद्योगिक अथवा प्रशासनिक केन्द्र स्थित थे। यही कारण है कि अन्य इलाकों की अपेक्षा नए नगरों यथा कलकजा, बज़्बई और किसी सीमा तक, मद्रास में नव-थिएटर को अत्यधिक संरक्षण एवं प्रोत्साहन प्राप्त हुआ। ब्रिटिश साम्राज्य के विस्तार और सदृढ होने से यह थिएटर देश के लगभग सभी इलाकों में पहुंचने लगा। मगर यह सभी इलाकों में एक साथ शुरु नहीं हुआ और ना ही उस सीमा तक इसका वहां विकास ही हो पाया। इसके फलस्वरूप इसकी उपलिज्ध्यां, भलेही कुछ रही हों, भिन्न भिन्न भाषाओं और देश के भिन्न भिन्न इलाकों में अलग-अलग स्तर की रही हैं। बंगला और मराठी में, यह बहुत सिक्रय, खुशहाल और लोकप्रिय रहा। यद्यपि इन दोनों भाषाओं में थियेटरों का प्रारज्भ और उज़रवर्ती विकास में काफी भिन्नता रही।

Answer the question according to your specialization. अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उज्ञर दें।

1. When and how does life become pure rapture? कब और कैसे जीवन विशुद्ध उल्लास हो जाता है?

OR / अथवा

When did the new theatre begin in our country? It was with what ideology and by whom?

हमारे देश में नये रंगमंच की शुरुआत कब हुई? वो किसने और कौनसी भावना से की?

| 2. | What hangs between Nature and consciousness? |
|----|---|
| | प्रकृति एवं चैतन्यं के बीच में ज्या अवरोध है? |
| | OR / अथवा |
| | How was the west imitated in this theatre? |
| | पश्चिम का अनुकरण इस रंगमंच में कैसे हुआ? |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| 3. | For whom does the veil become transparent? |
| | किस के लिये यह पर्दा पारदर्शी बन जाता है? |
| | OR / अथवा |
| | |
| | Who were the patrons of this new theatre? |
| | इस नये रंगमंच के आश्रयदाता कौन थे? |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

| 4. | What are the three attributes of the Supreme Being ? |
|----|---|
| | परमं सज्ञा के तीन गुण ज्या है। |
| | OR / अथवा |
| | How and where did this "new theatre" grow in India? |
| | भारत में कहां और कैसे इस ''नये रंगमंच'' की शुरुआत हुई ? |
| | भारत में बहुत आर करते हर्ग विकास पुर कारत पुर है |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| 5. | What are the fundamental principles of art as well as religion? |
| | कला एवं धर्म के मूलभूत सिद्धान्त ज़्या है? |
| | OR / अथवा |
| | What was the status of the traditional Indian theatre during this time? |
| | इस समय के दौरान पारंपरिक भारतीय नाट्यकला की ज्या परिस्थिती रही? |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

D-6506

P.T.O.

SECTION - II खण्ड—II

DANCE, DRAMA / THEATRE नृत्य, नाटक /रंगमंच

Note: This section contains fifteen (15) questions each to be answered in

about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट: इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उज्ञर लगभग तीस (30) शज्दों में

अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

Answer the question according to your specialization. अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उज़र दें।

6. Describe the 3 major female characters of Ramayana in the form of Nayika-s.

रामायण के तीन मुज़्य स्त्री पात्रों का नायिका के हिसाब से वर्णन करें।

OR / अथवा

Explain what is the "Pancham Veda" पंचमवेद ज़्या है लिखिये।

D-6506 8

| 7. | What are the three distinct characteristics of Arjuna ? |
|----|--|
| | अर्जुन के तीन विशिष्ट लक्षण ज्या है? |
| | OR / अथवा |
| | On what basis Bharata Muni has classified the "Nayaka"? |
| | भरतमुनि ने किस आधार पर ''नायक'' के प्रभेद किये है ? |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| 8. | List and describe the Pindibandha-s according to the Natyashastra. |
| | नाट्यशास्त्र के मुताबिक पीन्डीबंधों के नाम बतायें और उनके बारे में लीखे। |
| | ु . OR / अथवा |
| | List the Rasa-s and their corresponding Bhava-s as per the Natyashastra. |
| | नाट्यशास्त्र के मुताबिक रस और उनके भाव लिखें। |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

| 9. | What is the main difference between Nritta and Nritya? |
|-------|---|
| | नृज और नृत्य में मुज़्य तफावत ज़्या है? |
| | OR / अथवा |
| | What is the position of "Vidushak" in Sanskrit theatre? |
| | संस्कृत नाटक में विदूषक का ज्या स्थान है? |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| 10. | List the Satvika Bhava and describe any two of them. |
| 10. | |
| | सात्विक भाव की सूची दे और किन्ही दो का वर्णन कीजिये। |
| | OR / अथवा |
| | What are the most important things discussed in Natyashastra relevant to Drama? |
| | नाट्यशास्त्र में नाट्य के संबंधित किन महत्वपूर्ण विषयों पर लिखा गया है? |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| · | |

| 11 | Describe the word "Rasa-nishpatti". |
|----|---|
| | ''रस-निष्पज़ी'' को समझाये। |
| | OR / अथवा |
| | List five Sanskrit plays with their authors. |
| | पांच संस्कृत नाटकों की उनके लेखक के साथ सूची बनायें। |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| 12 | Describe the the dominate state and exitants of Shringara-rasa. |
| | श्रृंगार रस के स्थायी भाव और विभाव का वर्णन करें। |
| | OR / अथवा |
| | Which are the main play houses as per Bharata? |
| | भरत के हिसाब से नाट्यगृह के कितने मुज्य प्रकार है? |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

| 13. | With the help of miniature painting describe "Abhisarika" nayika. |
|-----|---|
| | मीनीएचर चित्र की मदद से ''अभिसारिका नायिका'' का वर्णन करें। |
| | OR / अथवा |
| | Define "Vritti" and "Pravritti". |
| | ''वृज्ञि'' और ''प्रवृज्ञी'' की परिभाषा कीजिये। |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| 14. | List the Yati's and illustrate any two. |
| | यतियों की सूची दे और किन्हीं दो का उदाहरण दीजिये। |
| | OR / अथवा |
| | Define "Rupak". |
| | ''रूपक'' को परिभाषित कीजिये। |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

D-6506

| 15. | in case of Kathakan, describe the relationship of colour with character. |
|-----|--|
| | कथकली में रंग एवं पात्र का संबंध बताये। |
| | OR / अथवा |
| | List 2 Raga-s each performed in morning, afternoon and evening. |
| | सुबह, दोपहर और शाम को उपयोग होने 2 - 2 रागों की सूची दे। |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| 16. | List any 10 Karanas. |
| | किन्हीं 10 करणों की सूची दे। |
| | OR / अथवा |
| | What is "Jatra"? Highlight its main features. |
| | ''जात्रा'' ज्या है ? उसकी मुज्य विशेषताओं पर प्रकाश डाले। |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

D-6506

P.T.O.

| 17. | Write about "Nrityagram" the dance institute. |
|-----|--|
| | नृत्यसंस्था ''नृत्यग्राम'' के बारे में लिखे। |
| | OR / अथवा |
| | Write on the main features of television plays. |
| | टीवी नाटकों कि मुज़्य विशेषताएं लिखे। |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| 18. | Describe the "Kurma Avatar" of Vishnu with its symbols and significance. |
| | विष्णु के कुर्मावतार का वर्णन उनके चिन्ह एवं महत्व के साथ दीजिये। |
| | OR / अथवा |
| | Write on Nrutya as per Abhinaya Darpana. |
| | नृत्य के बारे में अभिनय दर्पण के आधार से लिखिये। |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

| 19. | write about Knon. |
|-----|---|
| | ''खोन'' के विषय में लिखिये। |
| | OR / अथवा |
| | What is the importance of lighting in a play production ? |
| | नाट्य प्रस्तुतिकरण में प्रकाश संयोजन का ज्या महत्व है? |
| | भाट्य प्रस्तुतिकरण में प्रकारा संयोजन का उपा महत्त्व है : |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| 20. | Write on the importance of critic for dance. |
| -0. | |
| | नृत्य में समीक्षक के महत्व के बारे में लिखिये। |
| | OR / अथवा |
| | What are the subjects often handled in the street plays? |
| | नुज़्कड़ नाटको में कौन से विषयों का ज्यादा प्रयोग किया जाता है? |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

SECTION - III

खण्ड—III

Note: This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट: इस खंड में बारह (12) अंकों का पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उज्ञर लगभग दो सौ (200) शज़्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

DANCE, DRAMA / THEATRE

नृत्य, नाटक / रंगमंच

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उज़र दें।

21. Trace the history of Indian dance with the help of paintings going through different periods and styles.

चित्रकला के विभिन्न समय और शैली के आधार से भारतीय नृत्यकला का इतिहास बताइये।

OR / अथवा

How the character of "Draupadi' is handled by various dramatists? Give your answer with most appropriate illustrations.

द्रोपदी के चिरत्र को अलग-अलग नाट्यकारों ने किस तरह से उपयोग किया है? अपना उज़र सबसे अधिक उर्पयुज़्त उदाहरणों के साथ लिखें।

22. Trace briefly the story content of Git-Govinda of Jayadeva. How is it inspiring to a dancer?

जयदेव के गीत-गोविन्द की कथावस्तु संक्षेप में बताईये। यह नर्तकों के लिये किस तरह प्रेरणादायक है?

OR / अथवा

How will you conduct a "childern's theatre workshop"? Plan and outline its aims, objectives and relevant details.

आप बच्चों की नाट्यकार्यशाला कैसे संयोजित करेंगें? उसकी परिकल्पना, हेतु, उद्देश और संबंधित चीजों का विवरण करें।

D-6506 16

| 23. | Describe the various occassions on which folk dances are performed with illustrations. |
|-----|--|
| | उदाहरण सहित उन अनेक अवसरों का वर्णन करें जब लोकनृत्य किये जाते है। |
| | OR / अथवा |
| | How Angika Abhinaya of some of the traditional theatrical forms is utilised by the |
| | contemporary theatre practioners ? |
| | वर्तमान नाट्यकर्मी कई पारंपरिक नाट्यरूपों के आंगीक अभिनय का, अपनी रचनाओं में कैसे उपयोग करते हैं? |
| 24. | Is classical dance "Culture" based? Can anyone acquire proficiency by training in a particular classical dance form? Give your opinion with reasons. |
| | ज्या शास्त्रीय नृत्य ''संस्कृति'' पर आधारित है? ज्या कोई भी इसका अज्यास करके पारंगत हो सकता है? अपना मत कारण बताते हुए दीजिये। |
| | OR / अथवा |
| | Discuss about any SEA theatre form of your choice. |
| | दक्षिणपूर्व एशिया के कोई एक नाट्य प्रकार का विवरण दे। |
| 25. | Trace briefly the history of modern/creative dance in India. Describe the present dance scene in India in the creative field. |
| | भारत में आधुनिक सर्जनात्मक नृत्य का इतिहास संक्षेप में लिखिये। सर्जनात्मक नृत्य क्षेत्र में भारत की तत्कालिन परिस्थिती का वर्णन करें। |
| | OR / अथवा |
| | What is the relationship between a performer and the audience? How is it special in dance as well as music? |
| | दर्शक और कलाकार के बीच ज़्या संबंध है? संगीत और नृत्य में भी उसका ज़्या विशेष संबंध है? |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

| _ |
|---|
| |
| |
| |
| |
| |
| |

| _ |
|---|
| _ |
| |
| |
| _ |
| |
| |
| |
| |
| _ |
| |
| |
| _ |
| _ |
| |
| |
| _ |
| |
| |
| |
| _ |
| _ |
| |
| |
| _ |
| — |
| |
| |
| _ |
| — |
| _ |
| |
| _ |
| — |
| |
| |
| _ |
| |

SECTION - IV

खण्ड—IV

Note: This section consists of one essay type question of forty (40) marks to

be answered in about one thousand (1000) words on any of the

following topics.

(40x1=40 marks)

नोट: इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उज़र निज़्नलिखित

विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शज़्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

DANCE, DRAMA / THEATRE

नृत्य, नाटक / रंगमंच

Answer the question according to your specialization. अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उज्जर दें।

26. What is the importance of dance documentation, specially in India with oral tradition, for the preservation of the cultural heritage? Write in Detail.

भारत की मौखिक परंपरा को ध्यान में रखते, और हमारी सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए, नृत्य के डॉज्युमेन्टेशन का ज्या महत्व है? सविस्तृत वर्णन करें।

OR / अथवा

How do you think is dramatic training in traditional theatre being imparted? Write your observations. How is it continued today, and transalated in 20th century dramatic companies as well in modern institutions in India.

पारज़्परिक थिएटर सज़्बन्धी दिये जा रहे नाट्य प्रशिक्षण के बारे में आपका ज़्या विचार है? अपने विचार एवं अनुभव लिखिए? इस प्रशिक्षण को आजकल कैसे जारी रखा जा रहा है और बीसवीं शती की नाट्य कज़्पनियां तथा भारत के आधुनिक संस्थानों में यह किस प्रकार रूपान्तरित हुई है।

OR / अथवा

Critically discuss the condition of Modern Indian theatre after independence with reference to the plays, productions and prime training institutions.

स्वतन्त्र्योज्ञर भारतीय थिएटर विशेषतया नाटकों, उनकी प्रस्तुति एवं प्रमुख प्रशिक्षण संस्थानों के संदर्भ में, की स्थिति की आलोचनात्मक व्याज्या कीजिए।

| _ |
|---|
| _ |
| |
| _ |
| — |
| |
| |
| — |
| |
| |
| _ |
| — |
| |
| |
| |
| |
| |
| _ |
| — |
| |
| |
| _ |
| _ |
| |
| _ |
| — |
| |
| |
| _ |
| _ |
| |
| _ |
| _ |
| |
| |
| _ |
| |
| |
| _ |
| |

| _ |
|---|
| _ |
| |
| _ |
| — |
| |
| |
| — |
| |
| |
| _ |
| — |
| |
| |
| |
| |
| |
| _ |
| — |
| |
| |
| _ |
| _ |
| |
| _ |
| — |
| |
| |
| _ |
| _ |
| |
| _ |
| — |
| |
| |
| _ |
| |
| |
| _ |
| |

| FOR OFFICE USE ONLY | | | | | | | | |
|---------------------|-------------------|--------------------|-------------------|--------------------|-------------------|--------------------|-------------------|--|
| Marks Obtained | | | | | | | | |
| Question Number | Marks Obtained | Question Number | Marks Obtained | Question Number | Marks Obtained | Question Number | Marks Obtained | |
| 1 | | 26 | | 51 | | 76 | | |
| 2 | | 27 | | 52 | | 77 | | |
| 3 | | 28 | | 53 | | 78 | | |
| 4 | | 29 | | 54 | | 79 | | |
| 5 | | 30 | | 55 | | 80 | | |
| 6 | | 31 | | 56 | | 81 | | |
| 7 | | 32 | | 57 | | 82 | | |
| 8 | | 33 | | 58 | | 83 | | |
| 9 | | 34 | | 59 | | 84 | | |
| 10 | | 35 | | 60 | | 85 | | |
| 11 | | 36 | | 61 | | 86 | | |
| 12 | | 37 | | 62 | | 87 | | |
| 13 | | 38 | | 63 | | 88 | | |
| 14 | | 39 | | 64 | | 89 | | |
| 15 | | 40 | | 65 | | 90 | | |
| 16 | | 41 | | 66 | | 91 | | |
| 17 | | 42 | | 67 | | 92 | | |
| 18 | | 43 | | 68 | | 93 | | |
| 19 | | 44 | | 69 | | 94 | | |
| 20 | | 45 | | 70 | | 95 | | |
| 21 | | 46 | | 71 | | 96 | | |
| 22 | | 47 | | 72 | | 97 | | |
| 23 | | 48 | | 73 | | 98 | | |
| 24 | | 49 | | 74 | | 99 | | |
| 25 | | 50 | | 75 | | 100 | | |

| Total Marks Obtained (i | n words) | | | | | |
|-------------------------------------|------------|--|--|--|--|--|
| (ir | n figures) | | | | | |
| Signature & Name of the Coordinator | | | | | | |
| (Evaluation) | Date | | | | | |

D—6506 32